Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 2

सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

भाग - 6

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

चीन के साथ भारत के संबंध

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

पश्चिमी साम्राज्यवाद के उदय से पहले दोनों ही एशिया की महाशक्ति

चीन

चीन का अपने आस–पास के इलाकों पर काफी प्रभाव

छोटे देश इसके प्रभुत्व को मानकर कुछ नजराना देकर चैन से रहा करते थे।

मंगोलिया, कोरिया हिन्द–चीन के कुछ इलाके और तिब्बत इसकी आधीनता मानते थे।

अपने प्रभाव–क्षेत्र में कभी नहीं टकराये।

दोनों के बीच प्रत्यक्ष राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंध नहीं।

दोनों एक–दूसरे को जान नहीं सके।

भारत

भारत के राजवंशों का प्रभाव अपने राज्य से बाहर भी।

प्रभाव सिर्फ राजनैतिक ही नहीं आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक भी था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



20वीं सदी में भारत और चीन एक दूसरे से टकराये - तो विदेश नीति निर्माण में मुश्किलें।

पंचशील समझौता - 29 April 1954

भारत चीन

उम्मीद -

- भारत में अंग्रेजी राज समाप्त होने और चीन द्वारा विदेशी शक्तियों को निकाल कर बाहर करने से।
- दोनों देश साथ आकर विकासशील दुनिया और खासतौर एशिया के भविष्य को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

समस्याऐं :-

- 1950 में चीन द्वारा तिब्बत को हड़पने तथा भारत चीन सीमा पर बस्तियां बनाने के फैसले से दोनों देशों के बीच संबंध गड़बड़।
- 1962 में भारत-चीन युद्ध।
- 1976 तक दोनों के मध्य कूटनैतिक संबंध समाप्त।
- 1981 में सीमा विवादों को दूर करने के लिए वार्ताओं की श्रृंखला शुरू की गयी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद :-

- दिसम्बर 1988 में राजीव गांधी द्वारा चीन का दौरा करने से भारत-चीन संबंधों को सुधारने के प्रयासों को बढ़ावा मिला।
- दोनों देशों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और व्यापार के लिए सीमा पर चार पोस्ट खोलने के लिए समझौते किये।
- 1999 से भारत और चीन के बीच व्यापार 30 फीसदी की सालाना दर से बढ़ रहा है।
- परिवहन और संचार मार्गों की बढ़ोत्तरी, समान आर्थिक हित तथा एक जैसे वैश्विक सरोकारों के कारण भारत और चीन के बीच संबंधों को ज्यादा सकारात्मक तथा मजबूत बनाने में मदद मिली है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. तिथि के हिसाब से इन सबको क्रम दें –

(क) विश्व व्यापार संगठन में चीन का प्रवेश – 2001

(ख) यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना EEC - 1957

(ग) यूरोपीय आर्थिक संघ की स्थापना — 1992

(घ) असियान क्षेत्रीय मंच की स्थापना —1994

ARF

उत्तर – (ख) यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना – 1957

(ग) यूरोपीय आर्थिक संघ की स्थापना – 1992

(घ) असियान क्षेत्रीय मंच की स्थापना – 1994

(क) विश्व व्यापार संगठन में चीन का प्रवेश

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. 'ASEAN way' या आसियान शैली क्या है?

✓ (क) आसियान के सदस्य देशों की जीवन शैली है।

(ख) आसियान सदस्यों के अनौपचारिक और सहयोगपूर्ण कामकाज की शैली को कहा जाता है।

✗ (ग) आसियान सदस्यों की रणनीति है।

✓ (घ) सभी आसियान सदस्य देशों को जोड़ने वाली सड़क है।

उत्तर : (ख) आसियान सदस्यों के अनौपचारिक और सहयोगपूर्ण कामकाज की शैली को कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. इनमें से किसने 'खुले द्वार' की नीति अपनाई?

देंग श्याओपेंग

(क) चीन

(ख) दक्षिण कोरिया

(ग) जापान

(घ) अमरीका

उत्तर : (क) चीन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. खाली स्थान भरें -

(क) 1962 में भारत और चीन के बीच .....और ..... को लेकर सीमावर्ती लड़ाई हुई थी।

(ख) आसियान क्षेत्रीय मंच के कामों में .....और ..... करना शामिल है।

(ग) चीन ने 1972 .....के साथ दोतरफा संबंध शुरू करके अपना एकांतवास समाप्त किया।

(घ) .....योजना के प्रभाव से 1948 में यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना हुई।

(ड.) .....आसियान का एक स्तम्भ है जो इसके सदस्य देशों की सुरक्षा के मामले देखता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) अरूणाचल प्रदेश और अक्साई चीन

(ख) सदस्य देशों की सुरक्षा और विदेश नीति में तालमेल

(ग) अमरीका

(घ) मार्शल योजना

(ड.) आसियान सुरक्षा समुदाय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. क्षेत्रीय संगठनों को बनाने के उद्देश्य क्या है?

उत्तर :

- क्षेत्रीय देशों के लोगों का कल्याण और जीवन में गुणात्मकता लाना।
- क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति एवं सांस्कृतिक विकास
- सामूहिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।
- अन्य देशों के साथ सहयोग करना।
- आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्र में आपसी सहयोग।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



एक दूसरे की समस्याओं के लिए आपसी विश्वास,
समझ बूझ व सहृदयता विकसित करना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. भौगोलिक निकटता का क्षेत्रीय संगठनों पर क्या असर होता है?

उत्तर :

- भौगोलिक निकटता का सकारात्मक असर पड़ता है।
- भौगोलिक निकटता के कारण उस क्षेत्र के देशों की कई समस्याएं, धर्म, रीति-रिवाज तथा भाषाएँ समान संगठन के निर्माण में मदद मिलती है।
- संबंधित देशों में सांस्कृतिक एकरूपता की वजह से परस्पर सहयोग व संगठन की भावना बढ़ती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भौगोलिक निकटता के क्षेत्रीय संगठनों से सीमा विवाद जैसे मुद्दे बातचीत से सुलझाने की राह प्रशस्त होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. 'आसियान विज्ञान 2020' की मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं?

उत्तर :

- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में आसियान की एक बर्हिमुखी भूमिका को प्रमुखता दी गयी है।
- क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण व्यापारिक उदारीकरण तथा वित्तीय सहयोग की वृद्धि के लिए विभिन्न उपाय निर्धारित किये गये हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. आसियान समुदाय के मुख्य स्तम्भों और उनके उद्देश्यों के बारे में बताएँ?

उत्तर : तीन स्तम्भ :-

- आसियान सुरक्षा समुदाय।
- आसियान आर्थिक समुदाय।
- आसियान सामाजिक समुदाय।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

9. आज की चीनी अर्थव्यवस्था नियंत्रित अर्थव्यवस्था से किस तरह अलग है?

उत्तर :

- चीन ने 'खुले द्वार' की नीति अपनायी।
- चीनी अर्थव्यवस्था की नीति का उद्देश्य विदेशी पूंजी और प्रौद्योगिकी के निवेश से उच्चतर को प्राप्त करता है।
- वर्तमान की नीति बाजारोन्मुख नीति।
- कृषि व उद्योगों का निजीकरण किया गया।
- आर्थिक विकास के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना की गयी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

10. किस तरह यूरोपीय देशों ने युद्ध के बाद की अपनी परेशानियां सुलझाई? संक्षेप में उन कदमों की चर्चा करें जिनसे होते हुए यूरोपीय संघ की स्थापना हुई।

उत्तर :

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात आपसी बातचीत, सहयोग व परस्पर विश्वास के आधार पर यूरोपीय देशों ने अपनी परेशानियां सुलझाने का प्रयास किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- 1948 में मार्शल योजना के तहत यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना हुई।
- राजनीतिक सहयोग के लिए 1949 में यूरोपीय परिषद की स्थापना की।
- 1957 में इन देशों ने यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना की।
- सोवियत गुट के पतन के बाद 1992 में यूरोपीय संघ की स्थापना की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

11. यूरोपीय संघ को क्या चीजें एक प्रभावी क्षेत्रीय संगठन बनाती हैं।

उत्तर :

- यूरोपीय संघ का अपना झंडा, गान, स्थापना दिवस और अपनी मुद्रा है।
- अन्य देशों के मामले में इसने काफी हद तक साझी विदेश और सुरक्षा नीति भी बना ली है।
- 2016 में यह दूसरी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी अमरीका से तीन गुना ज्यादा है।
- सैनिक ताकत के हिसाब से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सेना है।
- अधिराष्ट्रीय संगठन के तौर पर यूरोपीय संघ आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक मामलों में दखल देने में सक्षम है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

12. चीन और भारत की उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मौजूदा एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती दे सकने की क्षमता है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने तर्कों से अपने विचारों की पुष्टि करें।

उत्तर :

- भारत तथा चीन विश्व की उभरती हुई दो अर्थ व्यवस्थाएँ हैं।
- वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को दोनों देश प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चीन संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है, इसके पास परमाणु शक्ति है।
- चीन के पास विश्व की सबसे बड़ी सेना है।
- इसके साथ चीन बड़ी तेजी से अपनी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तरीय बना रहा है।
- भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है।
- भारत ने संचार, तकनीक, विज्ञान एवं सूचना के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में किसी भी देश से अधिक उन्नति की है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- भारत के पास एक शक्तिशाली सेना है तथा भारत परमाणु सम्पन्न जिम्मेदार राष्ट्र है।
- अमरीका ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका को देखते हुए भारत के साथ असैनिक परमाणु समझौता किया है।

2005 - डॉ. मनमोहन सिंह

2008 [illegible]

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

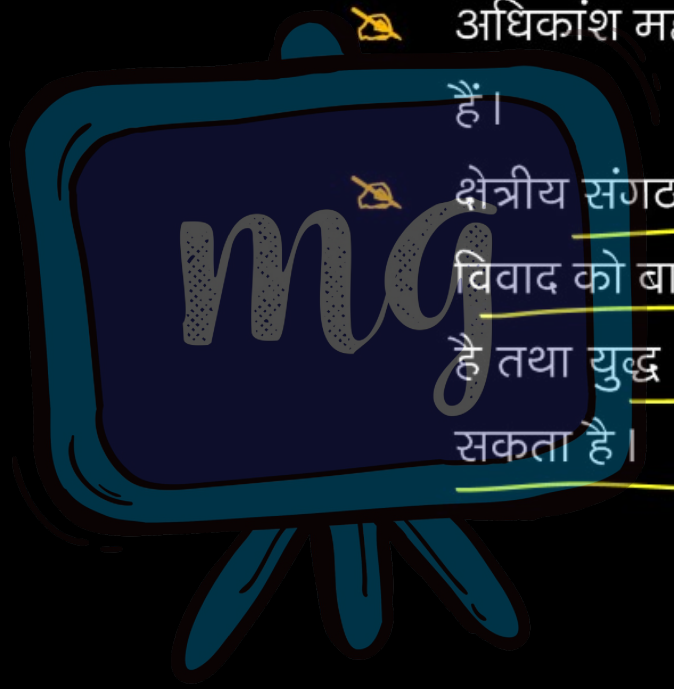
13. मुल्कों की शांति और समृद्धि क्षेत्रीय आर्थिक संगठनों को बनाने और मजबूत करने पर टिकी है। इस कथन की पुष्टि करें।

उत्तर :

- सर्वांगीण विकास के लिए विश्व में शांति एवं व्यवस्था का होना आवश्यक है।
- इसके साथ प्रत्येक देश का आर्थिक विकास होना भी आवश्यक है।
- दोनों शर्तों को क्षेत्रीय संगठन बनाकर पूरा किया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

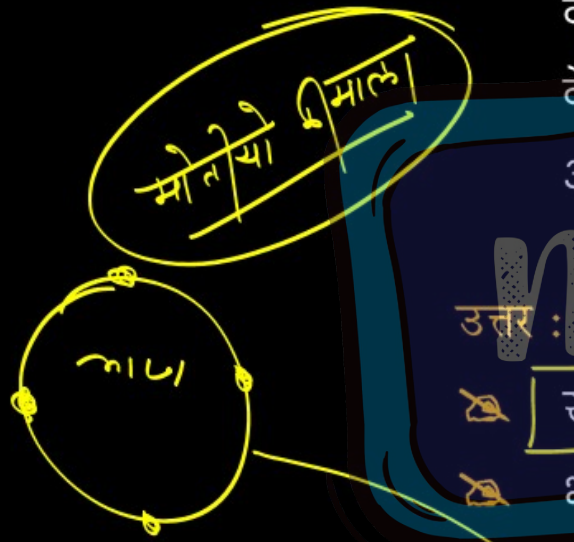


- अधिकांश महाद्वीपों में क्षेत्रीय संगठन बने हुए हैं।
- क्षेत्रीय संगठनों के कारण किसी भी प्रकार के विवाद को बातचीत द्वारा सुलझाया जा सकता है तथा युद्ध की स्थिति पैदा होने से रोका जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

14. भारत और चीन के बीच विवाद के मामलों की पहचान करें और बताएं कि वृहत्तर सहयोग के लिए इन्हें कैसे निपटाया जा सकता है। अपने सुझाव भी दीजिए।



उत्तर : भारत-चीन विवाद :-

- सीमा विवाद।
- भारत द्वारा दलाई लामा को समर्थन देना।
- चीन ने हिंद प्रशात महसागरीय क्षेत्र में भारत की भूमिका पर असंतोष जाहिर किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

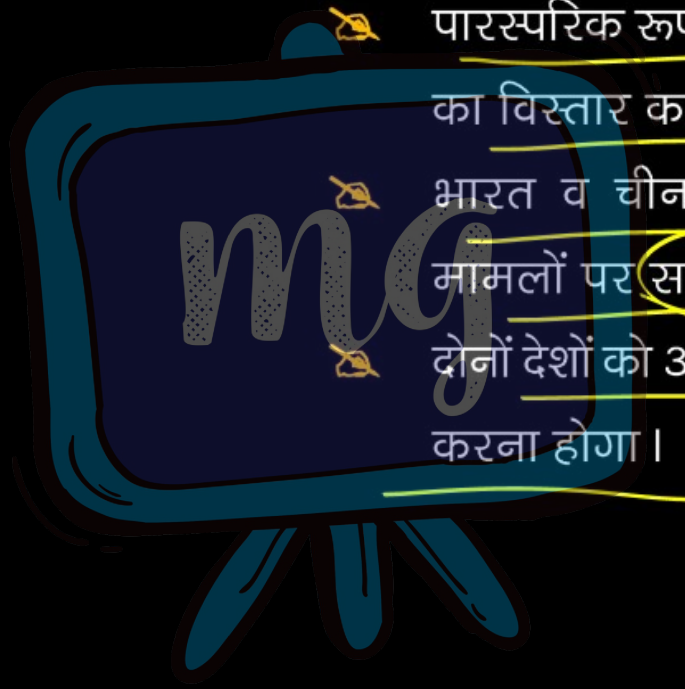
- सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का बचाव एवं समर्थन।

विवाद समाधान की रणनीति :-

- दोनों देशों के नेताओं को रणनीतिक मार्गदर्श का पालन करना चाहिए।
- मैत्रीपूर्ण सहयोग की सामान्य प्रवृत्ति को विकसित करने पर बल देना होगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग की गति का विस्तार करना चाहिए।
- भारत व चीन को अंतर्राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मामलों पर समन्वय को बढ़ाना चाहिए।
- दोनों देशों को आपसी मतभेदों का उचित प्रबंधन करना होगा।